स्कूल शिक्षा विभाग, पंजाब

कक्षा - सातवीं

पाठ - 13

साक्षरता अभियान

कवि : डॉ. कमलेश बंसल

सप्रसंग व्याख्या :-

दूर कहीं जंगल से तिनका,
चिड़िया बीन-बीन कर लाती ।
जोड़-जोड़ इन तिनकों को,
लघु अपना वह नीड़ रचाती ।
राहगीर पग बढ़ा-बढ़ा कर
निज पथ पर चलते रहते हैं ।
हिम्मत और विश्वास जगा कर,
मंज़िल को पा जाते हैं ।

प्रसंग :- प्रस्तुत पंक्तियाँ हमारी हिन्दी की पाठ्यपुस्तक 'आओ हिन्दी सीखें' में संकलित कविता 'साक्षरता अभियान' में से ली गईं हैं । इसके कवि 'डॉ. कमलेश बंसल जी' हैं । इस कविता में कवि ने विभिन्न उदाहरणों के द्वारा साक्षरता अभियान व उसके महत्त्व पर प्रकाश डाला है ।

व्याख्या :- कवि कहता है कि चिड़िया कहीं दूर जंगल से एक-एक तिनका चुनकर लाती है । फिर वह उन तिनकों को जोड़-जोड़ कर अपना छोटा-सा घोंसला बनाती है । ठीक वैसे ही मुसाफिर एक-एक कदम बढ़ाकर अपने रास्ते पर चलते रहते हैं । वे अपने अन्दर हिम्मत, हौसला और विश्वास जगाकर अपनी मंज़िल को प्राप्त कर लेते हैं । अर्थात निरंतर प्रयास से सफलता अवश्य प्राप्त होती है ।

जल की छोटी-छोटी बूँदें,
टपक-टपक घट भर देतीं ।
छेद एक यदि उस में कर दें
बूँदें घट खाली कर देतीं ।
थोड़ा-थोड़ा प्रतिदिन पढ़कर
हम ज्ञानी बन सकते हैं,
रोज़ बचाएं यदि एक पैसा
धन एकत्रित कर सकते हैं ।

प्रसंग :- प्रस्तुत पंक्तियाँ हमारी हिन्दी की पाठ्यपुस्तक 'आओ हिन्दी सीखें' में संकलित कविता 'साक्षरता अभियान' में से ली गईं हैं । इसके कवि 'डॉ. कमलेश बंसल जी' हैं । इस कविता में कवि ने विभिन्न उदाहरणों के द्वारा साक्षरता अभियान व उसके महत्त्व पर प्रकाश डाला है ।

व्याख्या :- कवि कहता है कि पानी की छोटी-छोटी बूँदें टपक-टपक कर घड़ा भर देती हैं । यदि घड़े में एक छेद कर दिया जाए तो एक-एक बूँद बह कर उस घड़े को खाली भी कर देती है । यदि हम रोज़ थोड़ा-थोड़ा पढ़ें तो ज्ञानी बन सकते हैं और यदि एक-एक पैसा रोज़ बचाते जाएँ तो बहुत धन इकट्ठा कर सकते हैं ।

एक एक अक्षर भी हर पल

सीखें और सिखाते जाएँ ।

शब्द ज्ञान बढ़ाएँ अपना

भाषा पर अधिकार जमाएँ ।

रखें निरन्तर यह क्रम जारी

मेहनत लाती है धन मान

साक्षरता अभियान चलाएँ

बन जाएँ भारी विद्वान ।

प्रसंग :- प्रस्तुत पंक्तियाँ हमारी हिन्दी की पाठ्यपुस्तक 'आओ हिन्दी सीखें' में संकलित कविता 'साक्षरता अभियान' में से ली गईं

हैं । इसके कवि 'डॉ. कमलेश बंसल जी' हैं । इस कविता में कवि ने विभिन्न उदाहरणों के द्वारा साक्षरता अभियान व उसके महत्त्व पर प्रकाश डाला है ।

व्याख्या :- कवि कहता है कि हमें एक-एक अक्षर हर पल, हर क्षण सीखते और सिखाते जाना चाहिए । इससे हमारा शब्द ज्ञान बढ़ेगा और हमारा भाषा पर अधिकार स्थापित हो जाएगा । हमें यह सीखने और सीखाने का क्रम जारी रखना चाहिए । क्योंकि मेहनत से ही सफलता प्राप्त होती है । मेहनत से ही धन, मान-सम्मान और यश प्राप्त होता है । हमें साक्षरता अभियान अर्थात पढ़ने-पढ़ाने का आंदोलन चलाना चाहिए ताकि हम विद्वान बन जाएँ ।

देश भारत के हम सब बालक

आगे बढ़ते जाएँगे ।

श्रम करना है धर्म हमारा,

कभी नहीं घबराएँगे ।

पढ़ लिख अपना ज्ञान बढ़ाएँ,

लेकर सबको साथ चलेंगे ।

ऊँच नीच का भेद मिटाकर,

जीवन अपना कृतार्थ करेंगे ।

प्रसंग :- प्रस्तुत पंक्तियाँ हमारी हिन्दी की पाठ्यपुस्तक 'आओ हिन्दी सीखें' में संकलित कविता 'साक्षरता अभियान' में से ली गईं

हैं । इसके कवि 'डॉ. कमलेश बंसल जी' हैं । इस कविता में कवि ने विभिन्न उदाहरणों के द्वारा साक्षरता अभियान व उसके महत्त्व पर प्रकाश डाला है ।

व्याख्या :- कवि कहता है कि हम सब भारत देश के बच्चे हैं । हम आगे ही आगे बढ़ते जाएँगे । मेहनत करना हमारा धर्म है ओर मेहनत से हम कभी भी नहीं घबराएँगे । हम बच्चे पढ़-लिख कर अपना ज्ञान बढ़ाएँगे और सभी को साथ लेकर चलेंगे । हम इस समाज में से ऊँच-नीच के भेद्भाव को समाप्त करके अपने जीवन को धन्य बनाएँगे । अर्थात हम बच्चे शिक्षा के बल पर अपने देश को उन्नत बनाएँगे ।

अभ्यास हल सहित

1. नीचे गुरुमुखी और देवनागरी लिपि में दिये गये शब्दों को पढ़ें और हिन्दी शब्दों को लिखने का अभ्यास करें :-

- ਚਿੜੀ = चिड़िया
- ਜੰਗਲ = जंगल
- ਜਲ = जल
- ਸ਼ਬਦ = शब्द
- ਧਰਮ = धर्म
- ਛੇਕ = छेद
- ਬੂੰਦਾਂ = बूँदें
- ਗਿਆਨੀ = ज्ञानी
- ਭਾਸ਼ਾ = भाषा
- ਵਿਦਵਾਨ = विद्वान

2. नीचे एक ही अर्थ के लिए पंजाबी और हिंदी भाषा में शब्द दिये गये हैं इन्हें ध्यान से पढ़ें और हिन्दी शब्दों को लिखें :-

- ਸਾਖ਼ਰਤਾ = साक्षरता
- ਅੰਦੋਲਨ = अभियान
- ਆਲ੍ਹਣਾ = नीड़
- ਲਗਾਤਾਰ = निरंतर
- ਘੜਾ = घट
- ਅੱਖਰ = अक्षर
- ਕ੍ਰਿਤਘਣ = कृतघ्न
- ਮੁਸਾਫ਼ਰ = राहगीर

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक दो वाक्यों में लिखें :-

प्रश्न (क) साक्षरता का क्या अर्थ है ?

उत्तर :- साक्षरता का अर्थ अक्षर ज्ञान है अर्थात अक्षरों को पढ़कर ज्ञान प्राप्त करना साक्षरता कहलाता है ।

प्रश्न (ख) चिड़िया अपना घोंसला बनाने के किए क्या करती है ?

उत्तर :- चिड़िया दूर जंगल से एक-एक तिनका चुनकर लाती है और फिर उन तिनकों को जोड़कर अपना छोटा-सा घोंसला बनाती है ।

प्रश्न (ग) हम अपनी मंज़िल को कैसे पा सकते हैं ?

उत्तर :- हम हिम्मत और विश्वास से निरंतर मेहनत करके अपनी मंज़िल प्राप्त कर सकते हैं ।

प्रश्न (घ) हम ज्ञानी कैसे बन सकते हैं ?

उत्तर :- हम रोज़ थोड़ा-थोड़ा पढ़कर ज्ञानी बन सकते हैं ।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर तीन-चार वाक्यों में दें :-

प्रश्न (क) कवयित्री ने साक्षरता अभियान को समझाने के लिए कौन-कौन से उदाहरण दिये हैं ?

उत्तर :- कवयित्री ने साक्षरता अभियान को समझाने के लिए निम्नलिखित उदाहरण दिये हैं :-

- एक-एक तिनका जोड़ने से घोंसला बन जाता है ।
- एक-एक बूँद से घड़ा भर जाता है ।
- प्रतिदिन एक-एक पैसा जोड़ने से बहुत-सा धन एकत्रित हो जाता है ।
- एक-एक अक्षर सीखते जाने से मनुष्य ज्ञानी बन जाता है ।

प्रश्न (ख) साक्षर बनने के लिए हमें क्या करना चाहिए ?

उत्तर :- साक्षर बनने के लिए हमें हर पल एक-एक अक्षर सीखते और सिखाते जाना चाहिए जिससे हमारा शब्द भण्डार बढ़ जाएगा ।

इससे हमारे ज्ञान में वृद्धि होगी और हमारा भाषा पर अधिकार हो जाएगा । तब हम सही अर्थों में साक्षर कहलाएँगे ।

4. अर्थ लिखते हुए वाक्य बनायें : -

- राहगीर = मुसाफिर =
  - ➢ राहगीर ने मुझसे रास्ता पूछा ।
- नीड़ = घोंसला =
  - ➢ चिड़िया एक-एक तिनका जोड़कर अपना नीड़ बनाती है ।
- मंज़िल = लक्ष्य =
  - ➢ मोहन ने हिम्मत और मेहनत से अपनी मंज़िल प्राप्त कर ली ।
- अभियान = आंदोलन =
  - ➢ हमें साक्षरता अभियान चलाना चाहिए ।
- कृतार्थ = धन्य =
  - ➢ गुरु की कृपा से हम कृतार्थ हो जाते हैं ।

7. पयार्यवाची शब्दों लिखें :-

- जंगल = वन, कानन,
- नीड़ = घोंसला, घरौंदा
- पग = कदम, डग
- घट = घड़ा, शरीर
- राहगीर = मुसाफिर, यात्री
- श्रम = परिश्रम, मेहनत

8. बहुवचन रूप लिखें :-

- चिड़िया = चिड़ियाँ
- पैसा = पैसे
- तिनका = तिनके
- भाषा = भाषाएँ
- बूँद = बूँदें
- मंज़िल = मंज़िलें

9. इन अक्षरों को जोड़कर शब्द लिखें :-

- अक्षर = अ + क् + ष् + अ + र् + अ
- चिड़िया = च् + इ + ड़् + इ + य् + आ

- साक्षरता = स् + आ + क् + ष् + र् + अ + त् + आ
- अभियान = अ + भ् + इ + य् + आ + न् + अ

मार्गदर्शक :-

डॉ. सुनील बहल

असिस्टेंट डायरेक्टर

एस.सी.ई.आर.टी. व

स्टेट रिसोर्स पर्सन,

हिन्दी व पंजाबी

तैयारकर्ता :-

कुमकुम, हिन्दी अध्यापिका

सरकारी हाई स्मार्ट स्कूल,

शाहपुर रोड, लुधियाना